मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मिली जान से मारने की धमकी

दौसा जिले की श्यालावास जेल में बंद कैदी ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर धमकी दी

- मामले में जेल अधीक्षक, जेलर और मुख्य प्रहरी सस्पेंड हुये।
- पुलिस की जांच के दौरान जेल में 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और कुछ संदिग्ध वस्तुएं मिली हैं।
- जयपुर के विधायकपुरी थाने में मामला दर्ज हुआ।

जयपुर, 28 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को शनिवार देर रात करीब दो बजे दौसा जिले की श्यालावास जेल में बंद कैदी ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर जान से मारने की धमकी दी है। मामले में जयपुर पुलिस ने विधायकपुरी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आई.जी. जयपुर रेंज अनिल टांक ने बताया कि रात को एक फोन जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम के पास आया था। फोन करने वाले ने पुलिसकर्मियों को कहा कि वह मुख्यमंत्री को मार देगा। धमकी की जानकारी मिलने पर साइबर टीम को लगाया गया। टीम ने कुछ घंटों में फोन नम्बर को ट्रेस कर लोकेशन निकाली। जो वह दौसा जिले के श्यालावास जेल की थी। इस पर रात को ही दौसा और जयपुर पुलिस की टीमों ने लोकेशन के आधार पर आरोपी की तलाश की। इस दौरान दौसा जिले की श्यालावास जेल में दार्जिलिंग निवासी एक आरोपी को डिटेन किया गया। युवक ने फोन पर धमकी देने की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस जेल में ही कैदी से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में कैदी ने बताया कि वह कोई दवाई खाता है। दवा खाने से उसे होश नहीं रहा। इसके बाद फोन कॉल किया। पुलिस उसके जवाबों से संतुष्ट नहीं होने पर पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस की जांच के दौरान जेल में 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और कुछ संदिग्ध वस्तुएं मिली है। इन्हें पुलिस टीम ने जब्त कर लिया है। जेल अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गई है। वहीं, आगे की कार्रवाई की जा रही है। उधर, जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश चंद्र बिश्नोई ने बताया कि मामले में शहर के विधायकपुरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी पहचान दौसा की जिले के श्यालावास जेल में बंद एक कैदी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद है। कोर्ट से उसका प्रोडक्शन वारंट लेकर गिरफ्तार कर पूछताछ की जाएगी।

मुख्यमंत्री को धमकी देने के मामले में जेल प्रशासन ने कार्यवाहक जेल अधीक्षक कैलाश दरोगा, जेलर बिहारी लाल और मुख्य प्रहरी अवधेश कुमार को सस्पेंड कर दिया। इस संबंध में जेल अधीक्षक, जेलर के लिए डीजी जेल राजेश निर्वाण और मुख्य प्रहरी के लिए डीआईजी मोनिका अग्रवाल ने आदेश जारी कर दिए।

गौरतलब है कि करीब 6 महीने पहले भी मुख्यमंत्री को धमकी मिली थी। जयपुर की सेंट्रल जेल में 5 साल से बंद पॉक्सो एक्ट के बंदी ने ही कंट्रोल रूम में फोन कर मुख्यमंत्री को गोली मारने की धमकी दी थी। इसके बाद कॉल काटकर मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया गया। पुलिस टीम ने तुरंत तकनीकी आधार पर जांच शुरू की और धमकी देने वाले आरोपी की पहचान कर ली थी। इस दौरान जेल में दो बंदियों से मोबाइल भी जब्त किए गए थे। मामले में जेल के हेड वार्डन अजय सिंह राठौड़ और वार्डन मनीष कुमार यादव को सस्पेंड किया गया था।

खादी का कारोबार डेढ़ लाख करोड़ रुपये पहुंचा : मोदी

नयी दिल्ली 28 जुलाई (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से खादी और हथकरघा उत्पादों को खरीदने की अपील करते हुए कहा है कि देशवासियों के सहयोग से खादी का कारोबार पहली बार डेढ़ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

मोदी ने हरियाणा के रोहतक जिले में उन्नति स्व सहायता समूह की जुड़ी महिलाओं के हथकरघा उत्पादों की विशेष रूप से सराहना करते हुए लोगों से इन्हें खरीदने तथा इनको बढ़ावा देने को कहा है।

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खादी की बिक्री सालाना आधार पर चार सौ पर्सेंट बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा ,मुझे ये बताते हुए आनंद आ रहा है कि खादी ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार डेढ़ लाख करोड़ रुपए के पार पहुँच गया है। सोचिए, डेढ़ लाख करोड़ रुपए !! और जानते हैं खादी की बिक्री कितनी बढ़ी है ? 400 परसेंट।

उन्होंने कहा कि इससे देश में बड़ी संख्या में रोजगार के नए अवसर भी बन रहे हैं।

शहीदों ने देश को बचाया, अब आपको देश बनाना है: ओम बिड़ला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने वीडियो कान्फ्रैंसिंग के जरिये 15 हजार इंजीनियरिंग एवं मैडिकल छात्रों को संबोधित किया

- ओम बिड़ला ने कहा कि संस्कारों के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा के साथ संस्कार मिलते हैं तो जीवन में पूर्णता आती है। एलन में शिक्षा के साथ संस्कारों को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि आज करगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देने और उनके परिजनों का अभिनन्दन करने के लिए इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं। शहीदों और सैनिकों के जीवन से अनुशासन और देश के लिए जीने की सीख लेनी चाहिए।

नयी दिल्ली 28 जुलाई (वार्ता)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि हम सुरक्षित हैं क्योंकि हमारे सैनिक हमारी रक्षा कर रहे हैं। करगिल में हजारों सैनिक शहीद हो गए। उन्होंने इस देश को बचाया। अब आपको यह देश बनाना है। आप इस देश का भविष्य हैं। कल के डॉक्टर और इंजीनियर हैं। सैनिकों की तरह देश के लिए जीने और इसे आगे ले जाने का संकल्प लें।

बिड़ला ने वीडियो संदेश के माध्यम से यह बात रविवार को नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में करगिल विजय की रजत जयंती के तहत आयोजित 'एलन शौर्य वंदन' कार्यक्रम में कही। इस समारोह में मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा की तैयारी करने वाले 15 हजार से अधिक स्टूडेंट्स शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि संस्कारों के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा के साथ संस्कार मिलते हैं तो जीवन में पूर्णता आती है। एलन में शिक्षा के साथ संस्कारों को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि आज करगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देने और उनके परिजनों का अभिनन्दन करने के लिए इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं। शहीदों और सैनिकों के जीवन से अनुशासन और देश के लिए जीने की सीख लेनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहे रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि विद्यार्थियों को देश के युद्धों का इतिहास जानना चाहिए, सेना के शौर्य के बारे में पढ़ना चाहिए तथा उनके बलिदान से सबक लेना चाहिए। सेना से अनुशासन, संकल्प, हौसला और बलिदान होने की हिम्मत सीखें। सैनिकों का जीवन एक सीख होती है, कैसे वे अपने परिवारों से हजारों किलोमीटर दूर रहकर देश की सेवा में समर्पित होते हैं।

कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की ओर से शहीदों के परिजनों का यह सम्मान देश का सम्मान है, जिस तरह एक योद्धा देश के लिए लड़ता है ठीक उसी तरह एक विद्यार्थी को भी देश को आगे ले जाने के लिए संकल्पित रहना चाहिए। पढ़ाई में भी टारगेट लेकर उसकी प्राप्ति के लिए पूरे प्रयास होने चाहिए।

एलन निदेशक डॉ.नवीन माहेश्वरी ने कहा कि हम शिक्षा के साथ संस्कार देने में विश्वास रखते हैं। करगिल विजय के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शौर्य वंदन श्रृंखला की शुरुआत की। अब तक दिल्ली सहित राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, जम्मू, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, ओडिशा, आसाम, पश्चिम बंगाल में शौर्य वंदन कार्यक्रम हो चुके हैं, जहां 280 करगिल शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जा चुका है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दिल्ली में आयोजित शौर्य वंदन में करगिल युद्ध में दिल्ली और आस-पास 32 शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया।

इस दौरान शहीदों के परिजनों ने भी अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान कई बार ऐसे क्षण भी आए जब हर किसी के आंख में आंसू आ गए। कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों ने खड़े होकर शहीदों के सम्मान में तालियां बजाई और परिजनों को सेल्युट किया।

कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता योगेन्द्र यादव, एलन निदेशक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, डॉ. नवीन माहेश्वरी, डॉ. बृजेश माहेश्वरी एवं सीईओ नितिन कुकरेजा ने शहीदों के परिजनों का सम्मानित किया। जोनल हेड व वाइस प्रसीडेंट अमित मोहन अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में सोनीपत, रोहतक, नूह, भिवानी, मेरठ, नोएडा, आगरा, हाथरस, बुलंदशहर, मथुरा, गाजियाबाद शहीद अनुज नायर, अरविंदर सिंह, चमन सिंह, धर्मबीर सिंह, हसन मोहम्मद, हसन अली खान, जितेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह चौहान, मनोज तलवार, मोहन सिंह राजपूत, ओमप्रकाश, पदम सिंह, राज सिंह, राजेन्द्र सिंह गाजियाबाद, राजेन्द्र सिंह मेरठ, रामवीर सिंह, रविकरण सिंह, रिषिपाल सिंह, सतीश कुमार, सतपाल सिंह, सत्यवीर सिंह, श्यामबीर सिंह, सोरन सिंह, सुरेन्द्र सिंह, विजयंत थापर, यशवीर सिंह, योगेन्द्र सिंह यादव, जुबैर अहमद, सुरेन्दर, अहमद, बलवान सिंह और भीम सिंह के परिजनों का सम्मान किया गया।

वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश माथुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाता है। लोकसभा चुनावों में भी माथुर छत्तीसगढ़ के प्रभारी थे, लेकिन ज्यादा सक्रिय नहीं रहे। भाजपा ने छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में से 10 पर जीत दर्ज की थी।

इसके साथ ही माथुर कई राज्यों के प्रभारी रहे हैं। मूल रूप से पाली जिले के फालना कस्बे के रहने वाले ओम प्रकाश माथुर का जन्म 17 अगस्त 1952 को हुआ था। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा पाली में हुई। उच्च शिक्षा के लिए वे जयपुर आ गए थे। राजस्थान विश्वविद्यालय से उन्होंने बीए की डिग्री ली। माथुर छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। 1988 में भाजपा के सदस्य बनने के बाद वे पार्टी में विभिन्न पदों पर रहे। 7 जनवरी 2008 से 13 जुलाई 2009 तक वे राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रहे। वही पार्टी ने उन्हें गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य का प्रभारी भी बनाया था। इसके अलावा माथुर केन्द्रीय संगठन में राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय महामंत्री और लंबे समय तक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर भी रहे। उन्हें पार्टी ने दो बार राज्यसभा भी भेजा। उनका अंतिम राज्यसभा का कार्यकाल 2016 से 2022 तक रहा। ओम प्रकाश माथुर को राज्यपाल बनाने के कई सियासी मायने भी हैं। बढ़ती उम्र के कारण अब पार्टी माथुर को ज्यादा सक्रिय जिम्मेदारी नहीं दे सकती थी। ऐसे में अपने ऐसे कार्यकर्ता जिसने पूरा जीवन संगठन को समर्पित कर दिया हो। उसकी सक्रिय राजनीति से यह एक सम्मानजनक विदाई है। वही पार्टी अब प्रदेश में सेकेंड लाइन लीडरशिप को प्रमोट करना चाहती है। दो दिन पहले ही भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनाए गए मदन राठौड़ और ओम माथुर पाली जिले से आते हैं। दोनों की अदावत किसी से छिपी नहीं है। 2008 में ओम माथुर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष थे। तब मदन राठौड़ का टिकट कट गया था, जबकि उस समय राठौड़ सिटिंग एमएलए थे।

कटारिया की राज्यपाल के तौर पर यह उनकी दूसरी नियुक्ति है। प्राइवेट स्कूल में शिक्षक रहे कटारिया ने पहली बार 1977 में चुनाव लड़ा था। वह उदयपुर शहर सीट से विधायक चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बताया जाता है कि उन्होंने अपने जीवनकाल में कुल 11 चुनाव लड़े, जिसमें से 9 में उन्हें जीत मिली। साल 1998 में वह सादड़ी से सांसद के तौर पर चुनाव जीते। आखिरी चुनाव 2018 में जीतकर वह 15वीं राजस्थान विधानसभा में पहुंचे। असम का राज्यपाल नियुक्त होने से पहले वे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष थे।

तमिलनाडू में भाजपा नेता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौके पर पहुंचे और देखा कि सेल्वाकुमार दम तोड़ चुके हैं। पुलिस ने सेल्वाकुमार के शव को सरकारी अस्पताल में भेज दिया जहां उनका पोस्टमार्टम किया जाएगा। ग्रामीणों और भाजपा समर्थकों ने सेल्वाकुमार की हत्या के खिलाफ आज जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों ने सड़क जाम कर दी और दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किए जाने की मांग रखी। बताया जा रहा है कि उन्होंने बीजेपी लीडर का शव लेने से भी इनकार कर दिया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं, राज्य भाजपा प्रमुख अन्नामलाई ने सेल्वाकुमार के परिवार के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने पार्टी की ओर से समर्थन का पूरा आश्वासन भी दिया। बीजेपी लीडर ने तमिलनाडु को हत्याओं की राजधानी करार दिया। उन्होंने कहा, राज्य में असामाजिक तत्वों को सरकार या पुलिस का कोई डर ही नहीं रह गया है।

'70 प्रतिशत बाघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'बाघ मित्र कार्यक्रम' का विशेष रूप से उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, कल दुनिया भर में बाघ दिवस मनाया जाएगा। भारत में तो 'बाघ', हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम सब बाघों से जुड़े किस्से-कहानियाँ सुनते हुए ही बड़े हुए हैं। जंगल के आसपास के गाँव में तो हर किसी को पता होता है कि बाघ के साथ तालमेल बिठाकर कैसे रहना है। हमारे देश में ऐसे कई गाँव है, जहां इंसान और बाघ के बीच कभी टकराव की स्थिति नहीं आती। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि जन-भागीदारी बाघों के संरक्षण में बहुत काम आ रही है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भारत में बाघों की आबादी हर साल बढ़ रही है। आपको ये जानकर खुशी और गर्व का अनुभव होगा कि दुनियाभर में जितने बाघ हैं ,उनमें से 70 प्रतिशत बाघ हमारे देश में हैं और देश के अलग-अलग हिस्सों में कई बाघ अभयारण्य हैं। मोदी ने कहा कि भारत में जहाँ भी बाघ और मानव में टकराव की स्थिति आती है, वहाँ बाघों के संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस काम में जन भागीदारी प्रोत्साहित की जाती है और राजस्थान के रणथंभौर जिले में कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान इसका एक नमूना है।प्रधानमंत्री ने कहा कि रणथंभौर का कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान बहुत दिलचस्प है। स्थानीय समुदायों ने स्वयं इस बात की शपथ ली है कि जंगल में कुल्हाड़ी के साथ नहीं जाएंगे और पेड़ नहीं काटेंगे। इस एक फैसले से यहाँ के जंगल, एक बार फिर से हरे-भरे हो रहे हैं, और बाघों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हो रहा है। मोदी ने महाराष्ट्र के तादोबा-अंधेरीबाघ अभयारण्य के आस पास के समुदायों, विशेषकर गोंड और माना जनजाति के लोगों द्वारा ईको-टूरिज्म (नैसर्गिक पर्यटन) के कार्य की ओर तेजी से प्रगति का उल्लेख भी किया।

हरिभाऊ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चंडीगढ़ के प्रशासक की भी जिम्मेदारी है। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य असम के राज्यपाल का कार्यभार संभालेंगे और उन्हें मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इस बीच, श्रीमती मुर्मू ने पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक की जिम्मेदारी संभाल रहे बनवारीलाल पुरोहित का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया। विज्ञप्ति के अनुसार उपरोक्त नियुक्तियां उनके संबंधित कार्यालयों का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी।

'न्यायाधीश ज्यादातर मुकदमों में जमानत न देकर "सेफ" खेलना पसंद करते हैं'

मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चंद्रचूड़ ने कहा कि अपराध के महत्वपूर्ण मुद्दों को संदिग्ध नजरिये से देखा जाता है, इसलिए ज्यादातर जज कॉमन सैंस काम में नहीं लेते

- मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि देश के प्रारम्भिक न्यायालयों की गैर जिम्मेदारी की वजह से ज्यादातर जमानती मुकदमे उच्च न्यायालयों में पहुँच जाते हैं।

नई दिल्ली, 28 जुलाई। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि जब अपराध के महत्वपूर्ण मुद्दों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, तो ट्रायल जज जमानत न देकर सुरक्षित खेलना पसंद करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने प्रत्येक मामले की बारीकियों को देखने के लिए मजबूत सामान्य ज्ञान (कॉमेंस सेंस) की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "जिन लोगों को ट्रायल कोर्ट में जमानत मिलनी चाहिए और उन्हें वहां नहीं मिल रही है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें हमेशा उच्च न्यायालयों का रुख करना पड़ता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि जिन लोगों को उच्च न्यायालयों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें जरूरी नहीं कि वह मिल जाए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें सर्वोच्च न्यायालय जाना पड़ता है। यह देरी उन लोगों की समस्या को और बढ़ा देती है, जिन्हें मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया जाता है। वे बर्कले सेंटर के तुलनात्मक समानता और भेदभाव विरोधी 11वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान मुख्य भाषण के अंत में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। सवाल मनमाने ढंग से की जाने वाली गिरफ्तारियों पर था। सवाल पूछने वाले ने कहा कि हम ऐसे समाज में रहते हैं जहां पहले काम किया जाता है और बाद में माफी मांगी जाती है। उन्होंने कहा कि यह बात विशेष रूप से राजनीतिक रूप से प्रेरित तरीके से काम करने वाले पब्लिक अथॉरिटी के लिए सच हो गई है, जो कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, पत्रकारों और यहां तक कि विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों सहित राजनेताओं को हिरासत में ले रहे हैं।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय लगातार यह बताने की कोशिश कर रहा है कि इसका एक कारण यह भी है कि देश के भीतर संस्थाओं में अंतर्निहित अविश्वास है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि हम उन लोगों पर भरोसा करना सीखें जो कानूनी व्यवस्था में हो सकते हैं, जैसे कि बहुत नीचे, जो कि ट्रायल कोर्ट हैं। दुर्भाग्य से, आज समस्या यह है कि हम ट्रायल जजों द्वारा राहत दिए जाने को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। इसका मतलब है कि ट्रायल जज गंभीर अपराधों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर जमानत नहीं देते हुए तेजी से सुरक्षित खेल रहे हैं। सीजेआई के अनुसार, न्यायाधीशों को प्रत्येक मामले की बारीकियों को देखना चाहिए।

कश्मीर में गर्मी ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने के पीछे इस बार बारिश नहीं होना माना जा रहा है। इस पहाड़ी और प्राकृतिक रूप से सम्पन्न राज्य में इस बार सीजन में अभी तक बहुत ही कम बारिश हुई है।

मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि 21 जुलाई 1988 को न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। एक स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने कहा कि श्रीनगर में रात का तापमान आमतौर पर मई के मध्य में महसूस होने वाले दिन के तापमान के बराबर था। कश्मीर घाटी के अन्य स्थानों पर भी शनिवार देर रात के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस से आठ डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति बने रहने के आसार हैं। प्रदेश के कुछ स्थानों पर आज दोपहर या रात के दौरान गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है। उन्होंने कहा, उनतीस जुलाई को गर्म और उमस भरे मौसम के बीच कश्मीर घाटी के कुछ हिस्सों में बारिश के आसार 55 प्रतिशत हैं और इसके साथ ही तापमान एक डिग्री सेल्सियस से चार डिग्री सेल्सियस तक कम होने का अनुमान है।"

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, रणथंभौर के 'कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान' का उल्लेख उत्साहवर्धक है

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में बैठकर सामूहिक रूप से सुना।

नई दिल्ली/जयपुर, 28 जुलाई (का.सं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 112वें संस्करण को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली स्थित भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय में सुना। अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस समय पूरे देश में पेरिस ओलंपिक छाया हुआ है। ओलंपिक हमारे खिलाड़ियों को विश्व पटल पर तिरंगा लहराने का मौका देता है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने प्रोजेक्ट परी (पब्लिक आर्ट ऑफ इंडिया) व हेंडलूम की बढ़ती लोकप्रियता के संबंध में चर्चा की। साथ ही, उन्होंने देशवासियों से भारत को ड्रग्स फ्री बनाने की दिशा में शुरू की गई 'मानस हैल्पलाइन' का उपयोग करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में राजस्थान के रणथंभौर के 'कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान' का विशेष उल्लेख किया है। इस अभिनव पहल के अंतर्गत स्थानीय समुदायों ने वन क्षेत्र में कुल्हाड़ी नहीं लेकर जाने और वृक्षों की कटाई रोकने का प्रण लिया है। प्रधानमंत्री द्वारा इस अभियान की सराहना प्रकृति-प्रेमियों को प्रोत्साहित करने वाली है।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा, केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री उपस्थित रहे।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मैं कामना करती हूं कि वह भविष्य में उपलब्धियों की नई ऊंचाइयों को छूएं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, ऐतिहासिक पदक।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908